भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 5428
गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमान कंपनियों को बम की झूठी धमकियां

5428. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल के वर्षों में विमान कंपनियों को बम की झूठी धमकियों के मामलों में वृद्धि दर्ज की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2024 में ऐसी धमकियों के लिए कितने व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके विरुद्ध क्या कानूनी कार्रवाई की गई हैं;

(ग) इन धमकियों का विमान कंपनियों के प्रचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा तथा इनका वित्तीय प्रभाव क्या है;

(घ) सरकार द्वारा हवाई यात्रा में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करते हुए बम की ऐसी झूठी धमकियों को रोकने और उन पर कार्रवाई करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं, और

(ङ) ये पहलें किस प्रकार सरकार की सुदृढ़ विमानन सुरक्षा और हवाई यात्रा में जनता के विश्वास को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): देश में विमानन सुरक्षा विनियामक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के अनुसार, वर्ष 2022 से 25 मार्च 2025 तक एयरलाइन प्रचालकों को कुल 836 झूठी बम धमकियां मिली हैं। ऐसे धमकी भरे संदेशों का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	बम की धमकी प्राप्त होने की संख्या;
2022	13;
2023	71;
2024	728;
2025 (25.03.2025 तक)	24;

(ख) से (ङ): वर्ष 2024 में, एयरलाइनों को बम की झूठी धमकी देने के आरोप में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बीसीएएस ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों, सीआईएसएफ और हितधारकों के साथ समन्वय से ऐसी धमकियों से निपटने के लिए सुदृढ़ प्रोटोकॉल अनिवार्य किए हैं, जिससे उड़ान परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। ऐसी धमकियों से निपटने के लिए एक विस्तृत आकस्मिक योजना, बम धमकी आकस्मिक योजना (बीटीसीपी) बनाई गई है। बीटीसीपी के हिस्से के रूप में, प्रत्येक हवाईअड्डे पर निर्दिष्ट बम धमकी आकलन समिति (बीटीएसी) होती है, जो धमकी का विश्लेषण और कार्रवाई करती है। झूठी बम धमकियों से निपटने के लिए, बीसीएएस ने देश के सभी नागर विमानन हितधारकों को सुदृढ़ विमानन सुरक्षा अवसंरचना का अनुरक्षण सुनिश्चित करने और हवाई यात्रा में जनसाधारण का विश्वास बनाए रखने के लिए परामर्शिका जारी की हैं।

*****